## एक नजर में

### रविवार को बिजली बंद

**गुना।** मेंटीनेंस के चलते रविवार के शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली गुल रहेगी। सहायक प्रबंधक (शहर) विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 33/11 एआईआर, पावर हाउस पर मेंटनेंस कार्य होने से दिनांक 20 जुलाई को प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक पुराना बायपास औद्योगिक क्षेत्र, विंध्यांचल कालोनी, बलवत नगर, विकास नगर, शुक्ला कॉलोनी, खेड़ापति कॉलोनी, एवन कॉलोनी, गुप्ता कॉलोनी, महावीरपुरा, कस्तूरवा नगर, पोरवाल कॉलोनी एवं मारूती शोरूम के सामने वाले क्षेत्र का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा।

### कलेक्टर ने किया चौपट नदी का निरीक्षण

**गुना।** कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा नारोनी,रुठियाई में चौपट नदी के ऊपर बनी पुलिया का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने पुलिया की वर्तमान स्थिति, संरचनात्मक मजबूती, जलभराव की स्थिति तथा पुलिया से गुजरने वाले यातायात के दबाव की जानकारी मौके पर ली। निरीक्षण उपरांत कलेक्टर ने नगर पालिका सीएमओ श्री तेजसिंह को निर्देशित किया बारिश के दौरान आमजन की सुरक्षा के लिए पुलिया आवश्यकता अनुसार बेरिकेटिंग की जाए, ताकि दुर्घटना की आशंका न रहे। उन्होंने जल स्तर की सतत् निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कन्याल ने स्थानीय जल प्रवाह को ध्यान में रखते हुए भविष्य में बाढ़ नियंत्रण एवं जल संरक्षण की दृष्टि से नदी में स्टॉप डैम निर्माण की संभावनाएं तलाशने तथा तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम राघौगढ़ विकास कुमार आनंद, डिप्टी कलेक्टर अमित सोनी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# सांप ने छीनी जान, सिस्टम ने छीन लिया सम्मान!

**मुक्तिधाम में त्रिपाल तानकर की अंत्येष्टि**

## सतनपुर में सर्पदंश के शिकार को पहले इलाज नहीं मिला, फिर सम्मानजनक विदाई भी नहीं मिली

नवभारत न्यूज

**गुना 19 जुलाई का। जिले के जनपद गुना के ग्राम सतनपुर में एक बार फिर इंसानियत और सिस्टम दोनों हार गए। एक बुजुर्ग की सांप के काटने से दर्दनाक मौत हो गई, लेकिन इससे भी बड़ा दर्द तब सामने आया जब गांव के मुक्तिधाम में छत तक नहीं मिली और उनके शव को टपकती बारिश में त्रिपाल तानकर विदा करना पड़ा। इलाज से लेकर अंत्येष्टि तक, हर मोर्चे पर लाचार दिखा सिस्टम।**

दरअसल जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सतनपुर में शुक्रवार को जो हुआ, वह न केवल दिल दहला देने वाला था, बल्कि सिस्टम की नाकामी का आईना भी था। 60 वर्षीय बुजुर्ग हजरत सिंह अहिरवार को रात में सांप ने काट लिया। परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए ले जाना चाहते थे, लेकिन ना समय पर सही चिकित्सा मिल सकी और ना ही जिंदगी बचाई जा सकी। दुखद यह कि उनकी मौत के बाद सम्मानजनक विदाई तक नसीब नहीं हुई।

गांव के भतीजे राजू अहिरवार ने बताया कि यह हादसा शुक्रवार तडके करीब 1 बजे का है। हजरत सिंह अपने घर में सो रहे थे, तभी सांप ने उन्हें डस लिया। दर्द से तड़पते हुए उन्होंने परिजनों को जगाया। घबराए परिजनों ने तुरंत गांव के एक स्थानीय डॉक्टर को बुलाया, जिसने प्राथमिक जांच कर हालत गंभीर बताई और जिला अस्पताल गुना ले जाने को कहा। परिजन बिना देर किए उन्हें वाहन से गुना अस्पताल लेकर निकले, लेकिन बारिश और खराब रास्तों से होते हुए आधे रास्ते में ही वृद्ध ने दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को जिला अस्पताल लाया गया, जहां पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम हुआ और शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

लेकिन सबसे शर्मनाक तस्वीर तो उसके बाद सामने आई। जब बारिश से तरबतर गांव के मुक्तिधाम में बुजुर्ग की अंतिम यात्रा उस तरह नहीं हो सकी जैसी किसी इंसान को विदा करते हुए होनी चाहिए थी।

गांव के मुक्तिधाम में न तो टीन की छत है, न कोई पक्की व्यवस्था। पहले से ही भीषण बारिश ने हालत बदतर कर दी थी। ऐसे में ग्रामीणों ने मजबूरी में त्रिपाल तानकर जैसे-तैसे अंत्येष्टि की। घंटों की मशक्कत के बाद भीगते शव को मुक्तिधाम में अग्नि दी गई।

### ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि मुक्तिधाम की हालत वर्षों से खराब है। कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। टीन शेड जैसी मूलभूत सुविधा तक नहीं दी गई। ग्रामीणों के अनुसार टेड के ज्यादातर टीन गायब है। बारिश में शव को खुले आसमान के नीचे जलाना पड़ा, यह न केवल एक परिवार की वेदना थी, बल्कि पूरे गांव की पीड़ा भी। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक गांवों में मौत के बाद भी लोगों को सम्मान से विदाई नहीं मिलेगी? कब तक त्रिपाल तानकर जलाई जाएंगी चिताएं? और कब तक सिस्टम संवेदनहीन बना रहेगा? गांव के लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द मुक्तिधाम की हालत सुधारी जाए और कम से कम अंतिम संस्कार जैसे पवित्र कार्य के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे भविष्य में किसी परिवार को इस तरह के अपमानजनक हालात का सामना न करना पड़े। इस बारे में गुना जनपद सीईओ गौरव खरे से संपर्क किया तो उन्होंने फोन

# नवीन शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर गरजा संगठन, सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

**गुना। जिले के नव नियुक्त शिक्षकों ने वर्षों से लंबित मांगों को लेकर आखिरकार प्रशासन से दो-टूक सवाल पूछ डाले। शनिवार को जिले के शिक्षकों ने संगठित होकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।**

इसमें उन्होंने महंगाई भत्ते के एरियर, वेतनवृद्धि में हो रही देरी और परिवीक्षा अवधि की धीमी प्रगति को लेकर गहरी नाराजगी जताई। ज्ञापन में बताया गया कि जिले में कार्यरत सैकड़ों नवनियुक्त शिक्षकों को तीन वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनका महंगाई भत्ते का एरियर नहीं मिल पाया है। संबंधित अधिकारी लगातार यह कहकर टालते रहे कि शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि पूरी नहीं हुई है, जबकि वित्त विभाग के आईएफएमएस पोर्टल पर डीए एरियर भुगतान का स्पष्ट प्रावधान है। शिक्षकों का कहना है कि शासन भले ही हर छह माह में डीए बढ़ा रहा हो, लेकिन उसका वित्तीय लाभ केवल वर्तमान माह से दिया जा रहा है, पिछले वर्षों का एरियर अनदेखा किया जा रहा है। इसके अलावा, ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि जिन शिक्षकों ने शासकीय सेवा में 3 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं, उन्हें जुलाई माह के वेतन में वेतनवृद्धि का लाभ तत्काल प्रभाव से दिया जाए। संगठन का कहना है कि शिक्षकों की प्रोबेशन पीरियड के दस्तावेज, मूल्यांकन और अनुशंसा संबंधी कार्यों को जानबूझकर लटकाया जा रहा है जिससे उन्हें समय पर वित्तीय लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। इस मौके पर राज्य शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र भार्गव, नाटा अध्यक्ष अभय धाकड़, डॉ. गोविंद मीना, गिर्राज किरार, दीपक व्यास, संजीव चित्रकार समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शिक्षकों की वाजिब मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं हुआ, तो वे चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। शिक्षक संगठनों ने यह भी कहा कि शासन से बार-बार आग्रह करने के बावजूद शिक्षकों की आवाज अनसुनी की जा रही है, जिससे उनमें भारी असंतोष है।

## नवजात को समय पर उपचार, आरबीएसके के तहत 55 हजार रुपये की सहायता

**गुना।** कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत जन्मजात विकृति से ग्रसित नवजातों की समय पर पहचान कर समुचित उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम खटकिया, तहसील बीनागंज निवासी पवन जाटव के घर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीनागंज में सामान्य प्रसव से एक पुत्र का जन्म हुआ। प्रसव केंद्र पर कार्यरत स्टाफ ने जन्म के तुरंत बाद नवजात की पीठ पर असामान्य सूजन (फोड़ा) देखी, और तत्परता से इसकी जानकारी आरबीएसके टीम को दी। टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी को सूचित किया गया। नवजात को एसएनसीयू के माध्यम से आगे उपचार हेतु रेफर किया गया। आरबीएसके योजना के अंतर्गत नवजात के ऑपरेशन के लिये 55,000 रूपये की राशि स्वीकृत कर उसे इंदौर स्थित नोबेल हॉस्पिटल में रेफर किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर द्वारा परिजनों को विकृति के कारणों और रोकथाम के उपायों, विशेष रूप से गर्भधारण पूर्व और प्रारंभिक गर्भावस्था में फोलिक एसिड सेवन के महत्व की जानकारी दी गई। पूर्व वित्तीय वर्ष में भी जिले में एनटीडी से ग्रसित 12 बच्चों की सफल सर्जरी उच्च चिकित्सा संस्थानों में कराई गई थी।

## जिले में अब तक 595 मिमी औसत वर्षा दर्ज

**गुना।** जिले में 01 जून से अब तक 595.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 56.6 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 343.7 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिमी है। जानकारी के अनुसार 01 जून से 19 जुलाई प्रात:8 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 869.3 मिमी, बमौरी में 789.0, आरोन में 529.0, राघौगढ़ में 510.0, चांचौड़ा में 446.0, कुम्भराज में 537.0 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सूदनगढ में 489.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 47.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 33.2 मिमी., बमोरी में 42.0 मिमी., आरोन में 29 मिमी., राघौगढ़ में 46 मिमी., चांचौड़ा में 53.0 मिमी., कुंभराज में 80.0 एवं मक्सूदनगढ़ में 46.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

# मप्र लेखक संघ इकाई गुना द्वारा पावस काव्य गोष्ठी आयोजित

नवभारत न्यूज

**गुना।** मध्यप्रदेश लेखक संघ इकाई गुना द्वारा साहित्यकार डॉ सतीश चतुर्वेदी शाकुन्तल के मुख्य आतिथ्य एवं हिन्दी साहित्य भारती मध्य भारत प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रेम सिंह प्रेम के विशिष्ट आतिथ्य तथा मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह सेंगर की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी का आयोजन फुलवारी कालोनी गुना में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात सरस्वती वंदना नीलम कुलश्रेष्ठ ने प्रस्तुत की।

साहित्यकार डॉ सतीश चतुर्वेदी शाकुन्तल ने अपनी बात यूं प्रकट की %देख देख हारे पिता ,संतति के उत्पात। ज्यों पाहन की मार को ,सहता हो जलजात।। अध्यक्षता करते हुए कवि अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने अषाढ़ के मौसम को सुहाना बताते हुए कहा कि दूर पहाड़ी के पीछे सूरज को छिपते देखा है।

बरसात के इस मौसम में बादल को बहकते देखा है। कवि प्रेम सिंह प्रेम ने कहा गंदे शब्दों में सियासत कब तक करोगे नेताजी। गिरगिट जैसा रूप-रंग कब तक धरोगे नेताजी। भ्रष्ट आचरण अय्याशी हेराफेरी में पूरे उलझे, गिरते गिरते और कहां तक नीचे गिरोगे नेताजी। गोष्ठी का संचालन करते हुए गीतकार सुनील शर्मा चीनी ने अपने भाव इन पंक्तियों में प्रकट किए नीम, पीपल, आम और अमरुद खतरे में है, अब दूब और दरखूतों के वजूद खतरे में हैं। हमने ही बिगाड़ दिया कुदरत से लेन-देन, ऋतुओं से मिलने वाले मूल सूद खतरे में हैं।% कवि मधुर कुलश्रेष्ठ ने बाल कविता प्रस्तुत करते हुए यूं कहा जब भू पर बारिश का, मौसम आता है। टर्र टर्र का अति ही, शोर मचाता हूँ। ग्रीष्म काल की, मेरी सुप्तावस्था का, उछलकूद करके आलस्य भगाता हूँ।। कवयित्री नीलम कुलश्रेष्ठ ने कहा %सावन में नीके लगें, घेवर अरु मिष्ठान । बारिश में खुशबू भली, पूए अरु पकवान। कवयित्री डा शोभा सिंह ने यूं कहा घनघोर घन बरसते हैं नभ के निष्कंप वितानों में,नील पट से झरती बूंदे जैसे सोम मंत्र सुनाती हों। शायर संजय खरे सहज ने अपने जज्बात यूं प्रकट किए जैसा तुमने समझा मुझको वैसा नहीं लगा, दिल दुखा के उसका मुझे अच्छा नहीं लगा। कवि रनीश जैन ने कहा ओ बूँदों के स्वर, गाओ वह राग,जो जोड़े आत्मा को, परमात्मा के साथ।पावस तू सिखला, जीवन का मोल,हर क्षण में बसता, ईश्वर का बोल। कवि महेश जैन ने कहा फिक्र को जेब में रखकर हंस लिया करते हैं कण भर तो गज भर दिया करते हैं। कवि प्रदीप सिंह राजावत ने अपनी बात यूं प्रकट की पूछो तो बताए सावन की हर बात सुहानी लगती है , देखो तो सुबह भीगी भीगी ,और शाम निराली लगती है। कवि हरीश सोनी ने कहा खिल उठें तन मन जीवन सभीगिरे जब पावसरस की धार।

अजब मस्ती जग में छा जायखुशी से नाच उठे संसार। अंत में आभार संस्था की सचिव डा शोभा सिंह ने प्रकट किया।

## गेल व एनएफएल विजयपुर की सुरक्षा का निरीक्षण एवं ऑडिट

**गुना।** मध्य क्षेत्र मुख्यालय भिलाई से उपमहानिरीक्षक दया शंकर द्वारा दो दिवसीय दौरे के दौरान गेल विजयपुर एवं एनएफएल विजयपुर में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) इकाईयों का औपचारिक निरीक्षण एवं सुरक्षा ऑडिट किया गया। इस दौरान उन्होंने दोनों औद्योगिक संयंत्रों की सुरक्षा व्यवस्था का गहन अध्ययन करते हुए उसे और अधिक पुख्ता करने के निर्देश दिए। गेल विजयपुर इकाई में आगमन पर उप कमांडेंट आशीष रावत द्वारा उपमहानिरीक्षक दया शंकर का पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। निरीक्षण के अंतर्गत उप महानिरीक्षक ने संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था, गार्ड तैनाती, प्रवेश और निकासी बिंदुओं के साथ-साथ संपूर्ण परिधि सुरक्षा की बारिकी से समीक्षा की। उन्होंने जवानों की बैरक, कैंटीन, मैस एवं क्वार्टर गार्ड का भी निरीक्षण किया और आवश्यक सुधारों के लिए सुझाव प्रदान किए। निरीक्षण उपरांत उपमहानिरीक्षक ने गेल विजयपुर के कार्यकारी निदेशक राकेश कुमार सिंह एवं एनएफएल विजयपुर के मुख्य महाप्रबंधक विनय कुमार गुप्ता से सौजन्य भेंट कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर संयंत्रों की संवेदनशीलता और रणनीतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के और भी सुदृढ़ उपायों पर चर्चा हुई। निरीक्षण के दौरान जवानों के साथ सैनिक सम्मेलन का आयोजन भी किया गया, जिसमें उपमहानिरीक्षक ने उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और समाधान का आश्वासन दिया। निरीक्षण के अंत में वृक्षारोपण किया गया।

## संकल्प : शनिवार को निभाया, श्रमदान से संवारा मुक्तिधाम

**गुना।** शहर में प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से चल रहे श्रमदान अभियान के अंतर्गत इस सप्ताह का श्रमदान कार्य शनिवार को ही संपन्न किया गया। इस पुनीत सेवा के अंतर्गत इस बार का श्रमदान कार्य शहर के एक प्रमुख मुक्तिधाम में किया गया, जहाँ श्रमिकों और समाजसेवियों की सहभागिता से स्वच्छता और पौध संरक्षण का कार्य किया गया। श्रमदान के दौरान मुक्तिधाम में बारिश के कारण फैली हुई मिट्टी की सफाई की गई। मुक्तिधाम परिसर में एक स्थान पर मिट्टी का ढेर जमा हो गया था, जो बारिश में बहकर पूरे परिसर में फैल रही थी। श्रमदाताओं ने इसे एकत्रित कर सुव्यवस्थित ढंग से एक ओर कर दिया, जिससे परिसर की स्वच्छता बहाल हो सकी। इन बांसों को आरामशीन से चीरकर उपयोगी बनाया गया और फिर उन्हें ट्री गार्ड के रूप में स्थापित कर उस पर नेट बांधी गई, ताकि जानवरों से पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर सेवा कार्य में वंदना मांढरे, नीलम बिंदल, लता महेश्वरी, भारती शर्मा, प्रभाकर राव मांढरे, प्रदीप बिंदल, प्रवीण अग्रवाल एवं संजीव विजयवर्गीय आदि स्वयंसेवियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

## गोपी कृष्ण सागर डेम बनेगा पर्यटन का नया केंद्र, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**राघौगढ़।** गोपी कृष्ण सागर डेम को अब पर्यटन की दृष्टि से नया रूप मिलेगा। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आज डेम का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कन्याल ने कहा कि गोपी कृष्ण सागर डेम प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है और यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि डेम पर बोटिंग के साथ-साथ क्रूज़ सेवा शुरू करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाए। इसके साथ ही पर्यटकों के ठहरने एवं विश्राम हेतु लॉबी, इंडियन काफी हाउस एवं बच्चों के खेलने के लिए पार्क विकसित किया जाए, जिसका रख-रखाव नगर पालिका द्वारा किया जाएगा। उन्होंने पार्किंग की समुचित व्यवस्था को विकसित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही मुख्य मार्ग से पहुंच मार्ग तक सड़क मरम्मत के भी निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। आज इस दौरा कलेक्टर ने डेम की जलभराव क्षमता का भी निरीक्षण किया और जल प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से कहा कि डेम क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं पर्यावरण संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि पर्यटक आकर्षित हों और सुरक्षित वातावरण प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर एसडीएम राघौगढ़ विकास कुमार आनंद, सीएमओ राघौगढ़ तेज सिंह यादव उपस्थित रहे।

## पीएम फसल बीमा 31 जुलाई तक

**गुना।** फसल बीमा कराने की तिथि 31 जुलाई है। अब कृषकगण 31 जुलाई तक अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। बीमित फसलों को प्राकृतिक या स्थानीय आपदाओं व कीट पतंग इत्यादि से नुकसान होने पर किसानों को बीमा का लाभ दिया जाता है। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास संजीव कुमार शर्मा द्वारा बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले में पटवारी हल्का स्तर पर धान (सिंचित), धान (असिंचित), मक्का, सोयाबीन तथा जिला स्तर पर उड़द फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसानों के लिये खरीफ फसल में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिये बीमित राशि का 2 प्रतिशत है। धान (सिंचित) फसल की बीमा धनराशि प्रति हैक्टेयर 40 हजार 700 रूपए होगी। धान (असिंचित) फसल की प्रति हैक्टेयर बीमा धनराशि 28 हजार 750 रूपए, जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 575 रूपए है। मक्का की बीमा धनराशि 29 हजार 500 रूपए है।

**धर्म** कौन हमारा है, कौन पराया है, यह संकट के समय में मालूम पड़ जाता है

# जो जन्मा है वह मरेगा ही, संकट में केवल धर्म ही देता है शरण

नवभारत न्यूज

**गुना 19 जुलाई का। जिंदगी मौत की अमानत है जिसने जन्म लिया है उसे मरना ही होगा। चाहे वह राजा, महाराजा, इंद्रों का राजा, सौ धर्म इंद्र या चक्रवर्ती ही क्यों न हो। कोई भी तंत्र, मंत्र हमें मरने से बचा नहीं सकता।**

मणि मंत्र तंत्र बहु होई, मरते न बचावे कोई। जिसने जन्म लिया है उसे मरना ही होगा। इंद्रों की आयु सागरों में बहुत ज्यादा होती है इसलिए उन्हें अमर कहते हैं पर मरना तो उनको भी पड़ता है। उक्त धर्मोपदेश चौधरी स्थित महावीर भवन में चातुर्मासरत मुनिश्री योग सागरजी महाराज केससंघ मुनिश्री निरामय सागरजी महाराज ने कार्तिकेअनुप्रेक्षा महाग्रंथ का स्वाध्याय कराते हुए दिए। मुनिश्री ने अशरण भावना को समझाते हुए कहा कि कौन हमारा है, कौन पराया है। यह संकट के समय में मालूम पड़ जाता है। जब दुनिया के सारे दरबाजे बंद हो जाते हैं तो तब एकमात्र धर्म का दरबाजा खुला रहता है। परंतु दुख और संकट के समय हमारी परीक्षा होती है, कि हम कहां जाते हैं। लोग ऐसे समय में कुगुरु, कुदेव की शरण में जाकर अपना रोग और बढ़ा लेते हैं। ऐसे समय हमें सच्चे देव, शास्त्र और गुरु की शरण में जाकर पंच परमेष्ठी की शरण लेनी चाहिए। इस दौरान मुनिश्री ने चार शरण बताई हैं। जो हमें संकट से निकाल कर सत्यमार्ग दिखाकर सम्यक दर्शन प्राप्त करा सकती है। वह शरण अरहंत भगवान, सिद्ध भगवान, साधु परमेष्ठी एवं सर्वज्ञ द्वारा बताया गया जिनधर्म है। दुनिया में इसके अलावा सारी शरण हमें संसार में ही परिभ्रमण कराती हैं। मुनिश्री ने कहा कि जब तक हम जमीन से जुड़ें रहेंगे तभी हमें कामयाबी हासिल होगी। केवल बातों से हवा में नहीं उड़ा जा सकता। उन्होंने बताया कि हमें जितनी सांसें मिली हैं प्रतिक्षण उन आयु के निषेध कम होते जा रहे हैं। हमें जीवन का एक क्षण भी व्यर्थ नही करना चाहिए। जो समय बीत गया है वह करोड़ों स्वर्ण मुद्राएं देकर भी वापस नहीं आ सकता। अत: समय का सदुपयोग देव, शास्त्र और गुरु के चरणों में आकर करते रहना चाहिए। अनंत भवों में परिभ्रमण करके हमें मनुष्य पर्याय मिलती है। उसमें भी उच्च कुल और सच्चे गुरु मिलना कठिन है। सौभाग्य से हमें महान तपस्वी परम साधक योग सागरजी महाराज का ससंघ चातुर्मास मिला है हमें उसका पूरा लाभ लेना चाहिए।

### श्रद्धा और अणुव्रत से कैंसर से मुक्ति पाई, मुनिश्री ने सुनाया प्रेरक प्रसंग

इस अवसर पर मुनिश्री ने आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज का प्रत्यक्ष उदाहरण सुनाते हुए बताया कि एक श्रावक जिसको चौथी स्टेज का केंसर हो गया था। डॉक्टरों ने कुछ ही दिनों का मेहमान बता दिया था। परिवार वाले उसे आचार्यश्री के दर्शन को ले गए। आचार्यश्री ने आशीर्वाद देते हुए उससे रात्रि भोजन एवं चारों प्रकार के अहारों का त्याग करने का नियम दिया और जैसे ही उसने सोचा मरना तो है ही उसने आचार्यश्री से उक्त अणुव्रत ले लिया। श्रद्धा, भक्ति और उसका समर्पण इतना तेज था कि चौथी स्टेज का केंसर भी धीरे-धीरे पलायन कर गया, दूर हो गया। आज वह श्रावक स्वस्थ्य रहकर प्रतिदिन पूजन, आहारदान देकर जीवन जी रहा है।

## डीईओ ने बमोरी विकासखंड के विद्यालयों व छात्रावासों का किया निरीक्षण

**गुना।** जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल ने शनिवार को बमोरी विकासखंड अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों और छात्रावासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत शासकीय हाई स्कूल सावरामोदी से हुई, जहां उन्होंने कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान कक्षा 9वीं के एक छात्र की लेखन शैली और फेयर कॉपी की सराहना करते हुए प्राचार्य को छात्र उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर अनुशासन, साफ-सफाई और उपस्थिति की स्थिति का अवलोकन किया और आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। इसके बाद वे शासकीय नेताजी सुभाष चंद्र छात्रावास फतेहगढ़ पहुंचे, जहां छात्रों से संवाद कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के सुझाव दिए। निरीक्षण क्रम में उन्होंने सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फतेहगढ़ (कैंपस-वन) की द्वितीय पाली में कक्षा 1 से 5 तक के संचालन का निरीक्षण किया। यहां विद्यार्थियों द्वारा स्मार्ट बोर्ड पर क्रियात्मक अधिगम की प्रस्तुति दी गई, जिसकी जिला शिक्षा अधिकारी ने सराहना की।